



NCERT Solutions for Class 7th Hindi Chapter 19

1. हमारे यहाँ बहुत से काम लोग खुद नहीं करके किसी पेशेवर कारीगर से करवाते हैं। लेकिन गाँधी जी पेशेवर कारीगरों के उपयोग में आनेवाले औज़ार-छेनी, हथौड़े, बसूले इत्यादि क्यों खरीदना चाहते होंगे?

उत्तर:- गाँधीजी स्वयं स्वावलंबी और आत्मनिर्भर होने के कारण अपने सानिध्य में आनेवाले सभी को स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता का पाठ पढ़ाना चाहते थे।

2. गाँधी जी ने अखिल भारतीय कांग्रेस सहित कई संस्थाओं व आंदोलनों का नेतृत्व किया। उनकी जीवनी या उनपर लिखी गई किताबों से उन अंशों को चुनिए जिनसे हिसाब-किताब के प्रति गाँधी जी की चुस्ती का पता चलता है?

उत्तर:- गाँधीजी पहले से हिसाब-किताब में चुस्त थे। अपने विद्यार्थी जीवन में भी गाँधीजी पाई-पाई का हिसाब रखते थे। वे कभी भी फिजूलखर्ची नहीं करते थे यहाँ तक कि पैसा बचाने के लिए वे कई बार कई किलोमीटर पैदल यात्रा करते थे क्योंकि उनका मानना था कि धन को जरूरी कामों में ही खर्च करना चाहिए। इसी हिसाब-किताब की चुस्ती के कारण वे सारे आंदोलनों को सफलतापूर्वक चला पाएँ।

3. मान लीजिए, आपको कोई बाल आश्रम खोलना है। इस बजट से प्रेरणा लेते हुए उसका अनुमानित बजट बनाइए। इस बजट में दिए गए किन-किन मदों पर आप कितना खर्च करना चाहेंगे। किन नयी मदों को जोड़ना-हटाना चाहेंगे?

उत्तर:- यदि हमें कोई बाल आश्रम खोलना है तो हमें निम्नलिखित मदों पर खर्च करना होगा -

	खर्च
इमारत	10 लाख
प्रबंधक	15,000 मासिक
सहायक कर्मचारी	35,000मासिक
बालकों के वस्त्र, बिस्तर, पुस्तकें, शिक्षा व्यवस्था आदि।	2 लाख सालाना
खाद्य पदार्थों पर खर्च	25,000 मासिक
अन्य खर्च - बिजली, पानी, रख-रखाव, चिकित्सा आदि।	30,000 मासिक
कुल अनुमानित खर्च	3 लाख 5 हजार

4. आपको कई बार लगता होगा कि आप कई छोटे-मोटे काम (जैसे - घर की पुताई, दूध दुहना, खाट बुनना) करना चाहें तो कर सकते हैं। ऐसे कामों की सूची बनाइए, जिन्हें आप चाहकर भी नहीं सीख पाते। इसके क्या कारण रहे होंगे? उन कामों की सूची भी बनाइए, जिन्हें आप सीखकर ही छोड़ेंगे।

उत्तर:- 1. फल-सब्जियाँ उगाना - मुझे फल-सब्जियाँ बेहद पसंद होने के कारण उन्हें उगाना पसंद हैं परन्तु शहरी वातावरण में रहने के कारण तथा घर छोटा होने के कारण मैं यह कार्य नहीं कर पा रहा हूँ।

2. कपड़े सिलना - मुझे नित नए कपड़े पहनने का शौक होने के कारण मैं कपड़े सिलना पसंद करता हूँ परन्तु अनुभव न होने के कारण मैं यह काम नहीं कर पा रहा हूँ।

लेकिन इस बार मैंने निश्चय किया है कि छुट्टियाँ शुरू होते ही दादाजी के पास गाँव जाऊँगा और फल-सब्जियों से संबंधित ज्ञान प्राप्त करूँगा।

5. इस अनुमानित बजट को गहराई से पढ़ने के बाद आश्रम के उद्देश्यों और कार्यप्रणाली के बारे में क्या-क्या अनुमान लगाए जा सकते हैं?

उत्तर:- इस अनुमानित बजट को गहराई से पढ़ने के बाद आश्रम के उद्देश्य निम्न हो सकते हैं -

स्वावलंबन का पाठ पढ़ाना,

लोगों को आजीविका प्रदान करना, लघु उद्योग को बढ़ावा देना, श्रम को बढ़ावा देना।

आश्रम की कार्यप्रणाली मुख्यतः आत्मनिर्भरता, आपसी सहयोग व सरलता पर आधारित थी।

***** END *****